७ *ॐ*

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-नवम्   विषय- हिन्दी

दिनांक—05/07/2020 **चंद्र गहना से लौटती बेर**

~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

आज आषाढ़ मास की पूर्णिमा है और आज के दिन को हम लोग गुरु पूर्णिमा के नाम से अभिहित करते हुए, इसे गुरु के लिए ही समर्पित मानते हैं। इसलिये आज के दिन को गुरु पूर्णिमा कहते हैं। इस दिन का महत्व हमारे शास्त्रों में भी विस्तृत रूप से वर्णित है । जो अंधकार से

शास्त्रों में गु का अर्थ बताया गया है- अंधकार या मूल अज्ञान और रु का अर्थ किया गया है- उसका निरोधक। गुरु को गुरु इसलिए कहा जाता है कि वह अज्ञान तिमिर का ज्ञानांजन-शलाका से निवारण कर देता है। अर्थात अंधकार को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले को 'गुरु' कहा जाता है।

हमारे जीवन में समय-समय पर हमें विभिन्न प्रकार के गुरुओं से मिलना होता है ।जब हम जन्म लेते हैं तो हमारी गुरु मां होती है, कुछ दिनों पश्चात हमारे गुरु पिता हो जाते हैं, कुछ दिनों बाद हमारे गुरु वह होते हैं, जो हमें शिक्षा प्रदान करते हैं फिर हमारे गुरु वे होते हैं, जो हमें आध्यात्मिक ज्ञान की प्राप्ति कराते हैं। अर्थात हमारे गुरु का हमारे जीवन में विभिन्न परिप्रेक्ष्य में विभिन्न प्रकार के महत्व हैं ।इसलिए गुरु का हमारे जीवन में कोई पर्याय नहीं हो सकता है।

आप सभी को गुरु पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएँ!

आइए अब आते हैं अपने अध्ययन सामग्री पर

आज की कक्षा में हम काव्य-खंड में केदारनाथ अग्रवाल की कविता **'चंद्र गहना से लौटती बेर'** कविता की आगे की कड़ी पढ़ेंगे।

चंद्र गहना से लौटती बेर

-- **केदारनाथ अग्रवाल**

एक चाँदी का बड़ा-सा गोल खंभा

आँखों को है चकमकाता।

हैं कई पत्थर किनारे।

पी रहे चुपचाप पानी,

प्यास जाने कब बुझेगी!

चुप खड़ा बगुला डुबाए टाँग जल में,

देखते ही मीन चंचल

ध्यान-निद्रा त्यागता है,

चट दबा कर चोंच में

नीचे गले के डालता है!

एक काले माथ वाली चतुर चिड़िया

श्वेत पंखों के झपाटे मार फौरन

टूट पड़ती है भरे जल के हृदय पर,

एक उजली चटुल मछली

चोंच पीली में दबा कर

दूर उड़ती है गगन में!

छात्र कार्य-

- गुरु पूर्णिमा की विशेष महत्ता के संबंध में कम -से -कम 10 पंक्तियों में अपनी भावना व्यक्त करें ।
- ऊपर लिखित कविता को अपनी उत्तर- पुस्तिका में लिखें अथवा आपके पास यदि किताब है ,तो किताब से पढ़ें एवं याद करें।

एक बार पुनः आप सबों को गुरु पूर्णिमा की विशेष बधाइयाँ

धन्यवाद

कुमारी पिंकी "कुसुम"